

धनवन्तरि अष्टोत्तर शतनामावलि

ॐ धनवन्तरये नमः
ॐ धर्मध्वजाय नमः
ॐ धरावल्लभाय नमः
ॐ धीराय नमः
ॐ द्विषणवन्धाय नमः
ॐ धार्मिकाय नमः
ॐ धर्मनियामकाय नमः
ॐ धर्मरूपाय नमः
ॐ धीरोदात्त गुणोद्भवलाय नमः
ॐ धर्मविदे नमः ॥ 10 ॥

ॐ धराधर धारिणे नमः
ॐ धात्रे नमः
ॐ धातृगर्वच्छेदे नमः
ॐ धात्रेडिताय नमः
ॐ धराधररूपाय नमः
ॐ धार्मिकप्रियाय नमः
ॐ धार्मिक वन्धाय नमः
ॐ धार्मिक जनध्याताय नमः
ॐ धनदादि समर्थिताय नमः
ॐ धनन्वय रूपाय नमः ॥ 20 ॥

ॐ धनन्वय वन्धाय नमः
ॐ धनन्वय सारथये नमः
ॐ द्विषण रूपाय नमः
ॐ द्विषण सेव्याय नमः
ॐ द्विषण दायकाय नमः
ॐ धार्मिक शिभामण्डये नमः
ॐ धी प्रदाय नमः
ॐ ध्यानगम्याय नमः

ॐ ध्यानध्यात्रे नमः
ॐ ध्यातृ ध्येय पदांबुजाय नमः ॥ 30 ॥

ॐ धीर संपूज्याय नमः
ॐ धीर समर्थिताय नमः
ॐ धीर रत्नाय नमः
ॐ धुरन्धराय नमः
ॐ धी रूपाय नमः
ॐ द्विषणापूज्याय नमः
ॐ धीर समर्थिताय नमः
ॐ धीरशिभामण्डये नमः
ॐ धुरन्धराग्रणये नमः
ॐ धूपदीपित विग्रहाय नमः ॥ 40 ॥

ॐ धूपदीपादि पूजाप्रियाय नमः
ॐ धूमादि मार्गदर्शकाय नमः
ॐ धृष्टाय नमः
ॐ धृष्टद्युम्नाय नमः
ॐ धृष्टद्युम्नस्तुताय नमः
ॐ धेनुकासुर सूदनाय नमः
ॐ धेनुकव्रजरक्षकाय नमः
ॐ धेनुकासुर वरप्रदाय नमः
ॐ धैर्याय नमः
ॐ धैर्यवतामग्रणये नमः ॥ 50 ॥

ॐ धैर्यप्रदायकाय नमः
ॐ दोग्ध्रे नमः
ॐ धौम्याय नमः
ॐ धौम्येडिताय नमः
ॐ धौम्यादि मुनिस्तुताय नमः

ॐ धौम्य वरप्रदाय नमः
ॐ धर्मसेतवे नमः
ॐ धर्ममार्ग प्रवर्तकाय नमः
ॐ धर्ममार्ग विघ्नकृत्सूदनाय नमः
ॐ धर्मराजाय नमः ॥ 60 ॥

ॐ धर्ममार्ग परवन्धाय नमः
ॐ धामत्रय मन्दिराय नमः
ॐ धनुर्वातादि रोगघ्नाय नमः
ॐ धुतसर्वाघ भृन्दाय नमः
ॐ धारणा रूपाय नमः
ॐ धारणा मार्गदर्शकाय नमः
ॐ ध्यानमार्ग तत्पराय नमः
ॐ ध्यानमार्गे दायकगम्याय नमः
ॐ ध्यानमात्र सुलभाय नमः
ॐ ध्यातृ पाप हराय नमः ॥ 70 ॥

ॐ ध्यातृ तापत्रयहराय नमः
ॐ धनधान्य प्रदाय नमः
ॐ धनधान्य मत्तजनसूदनाय नमः
ॐ धूमकेतु वरप्रदाय नमः
ॐ धर्माध्यक्षाय नमः
ॐ धेनुरक्षाधुरिणाय नमः
ॐ धरणी रक्षाधुरिणाय नमः
ॐ धरणीभारापहारकाय नमः
ॐ धीरसंरक्षणाय नमः
ॐ धर्माभिवृद्धिकर्त्रे नमः ॥ 80 ॥

ॐ धर्मगोत्रे नमः
ॐ धर्मकर्त्रे नमः
ॐ धर्मबन्धवे नमः
ॐ धर्महेतवे नमः

ॐ धार्मिकप्रजारक्षाधुरिणाय नमः
ॐ धनन्वयादि वरप्रदाय नमः
ॐ धनन्वय सेवातुष्ट्याय नमः
ॐ धनन्वय साधकृते नमः
ॐ धनन्वय स्तोत्र पात्राय नमः
ॐ धनन्वय गर्वहर्त्रे नमः ॥ 90 ॥

ॐ धनन्वय स्तुति हर्षिताय नमः
ॐ धनन्वय वियोग भिन्नाय नमः
ॐ धनन्वय गीतोपदेश कृते नमः
ॐ धर्माधर्म विचारपरायणाय नमः
ॐ धर्म साक्षिणे नमः
ॐ धर्म नियामकाय नमः
ॐ धनदृप्तजन दूरगाय नमः
ॐ धर्मपालकाय नमः
ॐ धैर्यवतां धैर्यदाय नमः
ॐ धर्ममार्गोपदेशकाय नमः ॥ 100 ॥

ॐ धर्मकृद वन्धाय नमः
ॐ धर्म तनय वन्धाय नमः
ॐ धर्मरूप विदुर वन्धाय नमः
ॐ धर्मतनय स्तुत्याय नमः
ॐ धर्मतनय स्तोत्र पात्राय नमः
ॐ धर्मतनय संसेव्याय नमः
ॐ धर्मतनय मान्याय नमः
ॐ धरामृत हस्ताय नमः
ॐ धर्मतनय वरप्रदाय नमः
ॐ धनवन्तरये नमः ॥ 110 ॥

॥ ॐति श्री धनवन्तरि अष्टोत्तर शतनामावलि
संपूर्णम् ॥